नवीनतम इनोवेशन, रिसर्च और टेक्नोलॉजी के आधार पर नेत्र चिकित्सा के लिए समर्पित भारतीय डॉक्टरों ने सम्पूर्ण विश्व में भारत की ताकत और योग्यता दिखाई है: लोक सभा अध्यक्ष

…

भारत के डॉक्टर विश्व में अपनी कार्यकुशलता, नवाचार और रिसर्च के लिए जाने जाते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

भारत लोकतंत्र की जननी है क्यूंकि वैदिक काल से ही हमारे सभी कार्य और प्रथायें लोकतान्त्रिक रही हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

लोक सभा अध्यक्ष ने 'इंडियन इंट्राओकुलर इम्प्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया'(आईआईआरएसआई) सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित किया

…

नई दिल्ली; 7 अक्टूबर, 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज 'इंडियन इंट्राओकुलर इम्प्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया'(आईआईआरएसआई) सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित किया। इस अवसर पर श्री बिरला ने IIRSI के नेत्र विशेषज्ञों और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों की नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए सराहना की। श्री बिरला ने कहा कि नवीनतम इनोवेशन, रिसर्च और टेक्नोलॉजी के आधार पर नेत्र चिकित्सा के लिए समर्पित भारतीय डॉक्टरों ने सम्पूर्ण विश्व में भारत की ताकत और योग्यता दिखाई है।

IIRSI के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि पिछले 4 दशकों से IIRSI ने चर्चा-संवाद के आधार पर नई टेक्नोलॉजी, अनुभव, रिसर्च, नवाचार साझा करके नेत्र चिकित्सा से जुड़े सभी पहलुओं पर बड़ा योगदान दिया है। श्री बिरला ने आगे कहा कि IIRSI के डॉक्टर नियमित रूप से अपने विचार, अनुभव, टेक्नोलॉजी, रिसर्च का आदान प्रदान करते हैं जिससे जनता और समाज का कल्याण का कार्य सुनिश्चित होता है।

बिरला ने आगे कहा कि नेत्र चिकित्सकों ने जन सेवा में पुण्य कमाया है और दूर दराज के गांवो के लोगों के लिए जागरूकता और सेवा की दिशा में कार्य किया है। यह उल्लेख करते हुए कि नेत्र विशेषज्ञ अक्सर गांवो के लोगों लिए कैंप लगा कर जानकारी और इलाज प्रदान करते हैं जिससे आम लोगों को सुविधा मिलती है और अंतिम व्यक्ति तक आधुनिक और प्रभावी चिकित्सा मुहैया होती है, श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि उनके प्रयासों के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे हैं। श्री बिरला ने याद किया कि पुराने दिनों में अज्ञान के कारण लोग कई बार आंखों का इलाज नही कराते थे, लेकिन अब व्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। जागरूकता बढ़ने के कारण लोग आज समय रहते डॉक्टर से आंखों का इलाज कराते हैं।

श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में भारत में हुए नए रिसर्च, इनोवेशन को दुनिया के विकसित देशों द्वारा अपनाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के डॉक्टर विश्व में अपनी कार्यकुशलता, नवाचार और रिसर्च के लिए जाने जाते हैं। स्वस्थ जीवन शैली के महत्त्व पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज के समय में कई बार बच्चों को छोटी उमर में चश्मा लग जाता है। इस बात पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि लम्बे समय तक बच्चों का मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल आंखों पर प्रतिकूल असर डालता है। उन्होंने माता पिता को इस दिशा में ध्यान देने के लिए आग्रह किया। श्री बिरला ने कहा कि फोन का इस्तेमाल जिम्मेदारी से करना चाहिए और अत्यधिक फ़ोन के इस्तेमाल से आंखों पर होने वाले विपरीत असर की जानकारी लोगों तक पहुंचाना बहुत आवाशक है।

भारत की लोकतान्त्रिक विरासत का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने बताया कि देश लोकतंत्र की जननी है क्यूंकि वैदिक काल से ही भारत के सभी कार्य और प्रथायें लोकतान्त्रिक रही हैं।